17 मार्च 2018 को उज्जैन में आयोजित समारोह में फतेहाबाद–उज्जैन ब्रॉडगेज के भूमिपूजन और गम्भीर नदी पर रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण हेतु भूमिपूजन के अवसर पर माननीय लोक सभा अध्यक्ष के वार्ता बिन्दु।

1. सबसे पहले मैं यहां उपस्थित जनसमूह को गुड़ी पड़वा की बधाई एवं शुभकामनाएं देती हूं। नव संवत्सर सभी के जीवन में सुख, समृद्धि एवं प्रसन्नता लेकर आए। सभी का भावी जीवन यशपूर्ण एवं कीर्तिपूर्ण हो।

2. फतेहाबाद–उज्जैन ब्रॉडगेज के भूमिपूजन और गम्भीर नदी पर रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण हेतु भूमिपूजन के अवसर पर मैं उज्जैन आकर गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। उज्जैन में रेलवे के विकास और विस्तार कार्यों की श्रृंखला में एक साथ दो नई उपलब्धियों की कड़ियां जुड़ना यहां की जनता की प्रेरणा और रेल मंत्रालय के सहयोग से ही संभव हो सका है।

3. मैं रेल मंत्री श्री पीयूष गोयल और रेल राज्य मंत्री श्री मनोज सिन्हा की आभारी हूं, जिन्होंने मालवा क्षेत्र के लिए कई रेल परियोजनाओं की शुरूआत करके मध्य भारत के लिए बहुत सारे तोहफे दिए हैं तथा क्षेत्र के विकास में उत्कृष्ट योगदान दिया है। जहां गम्भीर नदी पर रेल उपरिपुल (Railway Overbridge) बनने से उज्जैन, नागदा एवं आस–पास में रेल परिवहन व्यवस्था और समृद्ध होगी, वहीं फतेहाबाद–उज्जैन रेल लाइन को ब्रॉड गेज में कन्वर्ट हो जाने से इन्दौर और उज्जैन के बीच दूरी भी 22 किलोमीटर कम रह जाएगी। इससे एक तो रेलगाड़ियों का

परिचालन समय कम होगा, दूसरे इन्दौर से भोपाल के बीच चलने में गाड़ियों का reversal करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। कुल मिलाकर स्थानीय निवासियों और रेल यात्रियों दोनों को ही इन विकासात्मक कार्यों का लाभ मिल सकेगा।

4. रेल परिवहन एवं सड़क परिवहन दो ऐसे माध्यम है जिनसे सबसे ज्यादा यात्री सफर करते हैं। National Rail Plan-2030 की कल्पना इसी दृष्टि से की जा रही है कि हम अधिक से अधिक लोगों तक रेल परिवहन के साथ–साथ सड़क परिवहन को एकीकृत करते हुए नई परिवहन व्यवस्था की ओर अग्रसर हों। नई तकनीक का उपयोग करते हुए नई रेल लाइनों एवं राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ–साथ सुरंग और विशालकाय उपरिपुलों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है ताकि सम्पूर्ण देश के नागरिकों को तीव्रता से एक सूत्र में जोड़ा जा सके। ऐसे निर्माण से भारतीय अर्थव्यवस्था का नक्शा ही बदल जाने की संभावना है।

5. 16 अप्रैल 1853 को जब से 14 डिब्बों वाली रेलगाड़ी को 3 लोकोमोटिव्स सुल्तान, सुहैब व सिन्ध ने खींचा तब से अब तक भारतीय रेल ने लम्बा सफर तय किया है। Steam Locomotives, फिर डीजल लोकोमोटिव्स और अब ईएमयू विद्युतीकृत यूनिट्स आ गई हैं।

6. आने वाले समय में जब Green Energy की बात हो रही है ऐसे में भविष्य में सोलर पैनल के माध्यम से भी रेल ईंजन चलने लगेंगे जो cost effective भी होगा एवं उससे पर्यावरण की भी रक्षा संभव होगी।

7. ये विकास की अनवरत बह रही धारा है जो जीवन को सुगम और सरल बनाती है। विकास के लिए हम सबकी ललक एक–सी होनी चाहिए। Where there is will, there is way यानि कि 'जहां चाह वहां राह'। यदि आपके मन में संकल्प है तो उसको सिद्ध होने से कोई नहीं रोक सकता।

8. जब कोई दो शहर रेल से जुड़ते हैं तो यह जुड़ाव सिर्फ पटरियों से नहीं होता अपितु एक–दूसरे की व रास्ते में आ रहे सभी शहरों, कस्बों, गांवो, जंगल, जमीन, नदी–नालों सबका आपसे में एक निजता का संबंध है। दो शहरों के लोगों के परस्पर आवागमन से आपसी मेल–जोल बढ़ता है एवं एक दूसरे के रीति–रिवाज, तहजीब, आदान–प्रदान, खान–पान का जानने–समझने का अवसर मिलता है। रेल में यात्रा करने वाले सामान्य लोग संस्कृति के वाहक होते हैं। इन दो महत्वपूर्ण शहरों के जुड़ने से जहां इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा वहां सांस्कृतिक आदान–प्रदान भी होगा।

9. इसमें कोई संदेह नहीं कि हमारे समाज में रेलवे को उचित ही गौरवशाली स्थान दिया गया है। हमारे जैसे विविधतापूर्ण और विशाल देश में, भारतीय रेल लोगों को जोड़ने वाली सबसे प्रभावी शक्ति के रूप में उभरी है और सही मायने में राष्ट्रीय अखंडता का प्रतीक बन गई है।

10. मैं आशा करती हूँ कि हमारे dynamic रेल मंत्री के नेतृत्व में रेलवे देशवासियों की सभी अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी और रेल यात्रा सुरक्षित और सुखद होने के साथ–साथ

लोगों को वे सभी आरामदायक और आधुनिक सुख–सुविधाएं मिलेगी जो आधुनिकतम तकनीक से उपलब्ध हो सकती हैं।

11. रेलवे ट्रेनों में सुरक्षा बढ़ाने की कोशिशें तेज करने के साथ-साथ यात्रियों को सजग बनाने के लिए जागरूकता अभियान भी चला रहा है। मैं इस अवसर पर लोगों से अपील करना चाहूंगी कि वे रेलवे की मदद करें तथा स्टेशनों और ट्रेनों के डिब्बों को साफ़-सुथरा रखने में सहयोग करें।

धन्यवाद ।